18-07-2022

एनआईआरएफ रैंकिंग 2022

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF), रैंकिंग 2022 का 7वाँ संस्करण जारी किया है।

त्वरित मुद्दा?

- 'राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क' (NIRF) को सितंबर 2015 में शिक्षा मंत्रालय (तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्रालय) द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- यह देश में उच्च शिक्षण संस्थानों (HEI) को रैंक प्रदान करने के लिये भारत सरकार का पहला प्रयास है।
- वर्ष 2018 में देश भर के सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों के लिये 'राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क' में हिस्सा लेना अनिवार्य कर दिया गया था।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- **पाँच मापदंडों पर मूल्यांकन:-**
  1. शिक्षण, शिक्षा और संसाधन
  2. अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास
  3. स्नातक परिणाम
  4. आउटरीच और समावेशिता
  5. समकक्ष अनुभूति
- कुल 11 श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ संस्थानों को सूचीबद्ध किया गया है- समग्र राष्ट्रीय रैंकिंग, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग, कॉलेज, चिकित्सा, प्रबंधन, फार्मेसी, विधि, वास्तुकला, दंत चिकित्सा और अनुसंधान।
- क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग और टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग द्वारा विकसित रैंकिंग पद्धति में व्यक्तिपरकता ने भारत को शंघाई रैंकिंग की तर्ज पर भारतीय HEI के लिये अपनी रैंकिंग प्रणाली शुरू करने हेतु प्रेरित किया।
- NIRF की दीर्घकालिक योजना इसे अंतर्राष्ट्रीय लीग टेबल (International League Table) बनाने की है।
- **वर्ष 2022 में भाग लेने वाले संस्थानों की संख्या:** NIRF रैंकिंग में 7,000 से अधिक संस्थानों ने भाग लिया।
- समग्र रूप से IIT-मद्रास, IISc- बंगलूरू और IIT-बॉम्बे देश के शीर्ष तीन उच्च शिक्षा संस्थान हैं।
- **विश्वविद्यालय:** IISc- बंगलूरू विश्वविद्यालय की श्रेणी में सबसे ऊपर है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

- क्वाक्वेरेली साइमंड्स (QS) महत्त्वाकांक्षी पेशेवरों के लिये एक प्रमुख वैश्विक कैरियर और शैक्षिक नेटवर्क है, जिसका लक्ष्य व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाना है।
- क्यूएस, संस्थानों की गुणवत्ता की पहचान करने के लिये तुलनात्मक डेटा संग्रह और विश्लेषण के तरीकों को विकसित करके उन्हें सफलतापूर्वक लागू करता है।
- 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग' विश्वविद्यालय रैंकिंग का एक वार्षिक प्रकाशन है जिसमें वैश्विक समग्र और विषय रैंकिंग शामिल है।
- मूल्यांकन के लिये छह मापदंड और उनका भारांश:
  1. अकादमिक प्रतिष्ठा (40%)
  2. नियोक्ता प्रतिष्ठा (10%)
  3. संकाय/छात्र अनुपात (20%)
  4. उत्कृष्टता प्रति संकाय (20%)
  5. अंतर्राष्ट्रीय संकाय अनुपात (5%)
  6. अंतर्राष्ट्रीय छात्र अनुपात (5%)

- **कॉलेज:** मिरांडा कॉलेज ने लगातार छठे वर्ष कॉलेजों में पहला स्थान बरकरार रखा है, उसके बाद हिंदू कॉलेज, दिल्ली और प्रेसीडेंसी कॉलेज चेन्नई का स्थान है।

- **अनुसंधान संस्थान:** IISc- बंगलूरू को IIT- मद्रास के बाद सर्वश्रेष्ठ शोध संस्थान का दर्जा दिया गया है।
  - **इंजीनियरिंग:** इंजीनियरिंग संस्थानों में आईआईटी-मद्रास नंबर वन पर रहा है।
- **प्रबंधन:** भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), अहमदाबाद को प्रबंधन के क्षेत्र में पहला तथा IIM-बंगलूरू को दूसरा स्थान मिला है।
  - **चिकित्सा:** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली लगातार पाँचवें वर्ष चिकित्सा में शीर्ष स्थान पर रहा है।
- **फार्मेसी:** जामिया हमदर्द फार्मेसी के क्षेत्र में लगातार चौथी बार सूची में सबसे ऊपर है।
  - **आर्किटेक्चर:** IIT रुड़की आर्किटेक्चर में दूसरी बार शीर्ष स्थान पर रहा है।
- **कानून (लॉ):** नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बंगलूरू ने लगातार पाँचवें वर्ष कानून में अपना पहला स्थान बरकरार रखा है।
  - **डेंटल:** सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज, चेन्नई को पहली रैंक मिली है।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न- एनआईआरएफ रैंकिंग 2022 के प्रमुख मापदंडों मे निम्नलिखित में से किसे शामिल नही किया गया है ?

1. शिक्षण, शिक्षा और संसाधन
2. अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास
3. स्नातक परिणाम
4. आउटरीच और समावेशिता
5. समकक्ष अनुभूति

कूट :

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1,2,3,4 व 5 सभी को शामिल किया गया है

उत्तर: (c) दोनों सही है

प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी)

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री ने कर्नाटक के बंगलूरू में राज्य कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन की तर्ज पर राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (e-NAM) के तहत प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (PoP) लॉन्च किया।

त्वरित मुद्दा?

- कर्नाटक के बंगलूरू में राज्यों के कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (e-NAM) के तहत प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) का शुभारंभ किया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- ई-नाम "प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स" के रूप में सेवा प्रदाताओं के मंच का एकीकरण करता है
- समग्र सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता जो कृषि उपज के व्यापार के लिये समग्र सेवाएँ प्रदान करते हैं, जिसमें गुणवत्ता परख, व्यापार, भुगतान प्रणाली और लॉजिस्टिक्स से संबंधित सेवाएँ शामिल हैं)।
- लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, गुणवत्ता परख सेवा प्रदाता, सफाई, ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग सेवा प्रदाता, भंडारण सुविधा सेवा प्रदाता, कृषि आदान सेवा प्रदाता, प्रौद्योगिकी सक्षम वित्त व बीमा सेवा प्रदाता।
- सूचना प्रसार पोर्टल (सलाहकार सेवाएँ, फसल अनुमान, मौसम अद्यतन, किसानों के क्षमता निर्माण आदि), अन्य प्लेटफार्म (ई-कॉमर्स, अंतर्राष्ट्रीय कृषि-व्यापार प्लेटफॉर्म, वस्तु विनिमय, निजी बाज़ार प्लेटफॉर्म) आदि।
- इससे कई बाज़ारों, खरीदारों, सेवा प्रदाताओं तक किसानों की डिजिटल रूप से पहुंच बढ़ेगी और मूल्य खोज तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य प्राप्ति में सुधार के उद्देश्य से व्यापार लेन-देन में पारदर्शिता आएगी।
- पीओपी से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा, जिससे कृषि मूल्य शृंखला के विभिन्न खंडों में अलग-अलग प्लेटफार्मों की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा।
- पीओपी पर विभिन्न मूल्य शृंखला सेवाओं जैसे: व्यापार, परख, भंडारण, फिनटेक, बाज़ार की जानकारी, परिवहन आदि की सुविधा देने वाले विभिन्न प्लेटफॉर्मों के 41 सेवा प्रदाताओं को शामिल किया गया है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

e-NAM पोर्टल

- राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (eNAM) एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक व्यापार पोर्टल है जो कृषि उपज के लिये एकीकृत राष्ट्रीय बाज़ार बनाने के लिये मौजूदा APMC मंडियों को एकीकृत करता है।
- लघु किसान कृषि व्यवसाय संघ (SFAC) भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तत्त्वावधान में eNAM को लागू करने वाली प्रमुख एजेंसी है।
- **उद्देश्य :-** एकीकृत बाज़ारों में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके खरीदारों और विक्रेताओं के बीच सूचना अंतराल को दूर करके वास्तविक मांग एवं आपूर्ति के आधार पर अल्प समय में बेहतर मूल्य की प्राप्ति को बढ़ावा देकर कृषि विपणन में एकरूपता को बढ़ावा देना।
- **मिशन :-** कृषि जिंसों में अखिल भारतीय व्यापार की सुविधा के लिये एक सामान्य ऑनलाइन बाज़ार प्लेटफॉर्म के माध्यम से देश भर में स्थित APMC का एकीकरण, समय पर ऑनलाइन भुगतान के साथ-साथ उपज की गुणवत्ता के आधार पर पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया द्वारा बेहतर मूल्य प्रदान करना।

- यह किसानों, FPOs, व्यापारियों और अन्य हितधारकों को सिंगल विंडो के माध्यम से कृषि मूल्य शृंखला में विभिन्न प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं तक पहुँचने में सक्षम बनाता है,जिससे हितधारकों को अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे।
- ससे किसानों को अन्य राज्यों में भी उपज बेचने की सुविधा प्राप्त होगी।
- विभिन्न सेवा प्रदाताओं को शामिल करने से न केवल e-NAM प्लेटफॉर्म पर उपज के मूल्य में वृद्धि होती है, बल्कि प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्त्ताओं को विभिन्न सेवा प्रदाताओं से सेवाओं का लाभ उठाने का विकल्प भी प्राप्त होता है।
- इसके अलावा एक अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री/सेवा प्रदाता का चयन करने की प्रक्रिया में यह हितधारकों के समय और श्रम की बचत करता है।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न- प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी) के बारे मे सत्य कथन है ?

1. इससे कई बाज़ारों, खरीदारों, सेवा प्रदाताओं तक किसानों की डिजिटल रूप से पहुंच बढ़ेगी और मूल्य खोज तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य प्राप्ति में सुधार के उद्देश्य से व्यापार लेन-देन में पारदर्शिता आएगी।
2. पीओपी से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा, जिससे कृषि मूल्य शृंखला के विभिन्न खंडों में अलग-अलग प्लेटफार्मों की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा।

कूट :

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) दोनों सही है (d) कोई भी सही नही है

उत्तर: (c) दोनों सही है